

त्व = अपना + त्व = अपनत्व, लघु + त्व = लघुत्व, गुरु + त्व = गुरुत्व,
 निज + त्व = निजत्व, प्रभु + त्व = प्रभुत्व, मनुष्य + त्व = मनुष्यत्व
 ई - सावधान + ई = सावधानी, ईमानदार + ई = ईमानदारी,
 बेईमान + ई = बेईमानी, गरीब + ई = गरीबी, अमीर + ई = अमीरी,
 गर्म + ई = गर्मी, जन्म + ई = जन्म, दोस्त + ई = दोस्ती,
 इमा - पाल + इमा = पालिमा, काला + इमा = कालिमा, दरा + इमा = दरीलिमा,
 पूर्ण + इमा = पूर्णिमा, अरुण + इमा = अरुणिमा, मधुर + इमा = मधुरिमा.

आस- खट्टा+आस = खटास, मीठा+आस = मिठास

आहल- गर्म+आहल = गर्माहल, चिकना+आहल = चिकनाहल

कड़वा+ आहल - कड़वाहल

य- गृहस्थ+य = गार्हस्थ्य, सुन्दर+य = सौन्दर्य, कवि+य=काव्य

एक+य = ऐक्य, महात्मा+य = माहात्म्य, मधुर+य=माधुर्य

(iii) सम्बन्ध वाचक लङ्घित प्रत्यय:-

वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा या

सर्वनाम अथवा विशेषण के अन्त में जुड़कर सम्बन्ध के अर्थ का बोध कराते हैं, सम्बन्ध वाचक लङ्घित प्रत्यय कहलाते हैं-

जैसे- आल- नानी (ननिह) + आल = ननिहाल, ससुर + आल = ससुराल
गंगा + आल - गंगाल, घड़ी + आल - घड़ियाल

एरा - चाचा + एरा = चचेरा, मामा + एरा = ममेरा,
 पूफा + एरा = फुफेरा, मौंसी + एरा = मौंसेरा,
 बहन + एरा = बहनेरा, काका + एरा = केकेरा

जा - आत्म + जा = आत्मजा, बहन + जा = भानजा, भाई + जा = भतीजा
 इय - भारत + इय = भारतीय, नरक + इय = नारकीय,
 स्वर्ग + इय = स्वर्गीय, आत्म + इय = आत्मीय

ओई - बहन + ओई = बहनोई, ननद + ओई = ननदोई
इक - देह + इक = दैहिक, शरीर + इक = शारीरिक,
नीति + इक = नैतिक, राजनीति + इक = राजनीतिक
आत्म + इक = आत्मिक, विचार + इक = वैचारिक,
जीव + इक = जैविक, रसायन + इक = रासायनिक,
आध्यात्म + इक = आध्यात्मिक

(iv) अपत्यवाचक/सन्तानबोधक लङ्घित प्रत्यय-

वे प्रत्यय जो किसी संज्ञा के अन्त में छुड़कर उत्पन्न होने अर्थात् सन्तान के अर्थ का बोध कराते हैं, सन्तानबोधक/अपत्यवाचक लङ्घित प्रत्यय कहलाते हैं-
 जैसे- मनु+अ = मानव, रघु+अ = राघव, जनक+ई = जानकी.
 अ- यदु+अ = यादव, वासुदेव+अ = वासुदेव, दनु+अ = दानव,
 पाण्डु+अ = पाण्डव, शिव+अ = शैव, कुरु+अ = कौरव.

पंचाल + भ = पांचाल, विष्णु + भ = वैष्णव, सिंधु + भ = सैन्धव,
 पृथा + भ = पार्थ, जिन + भ = जैन,

इ - दशरथ + इ = दाशरथि, वाल्मीकि + इ = वाल्मीकि.

मरुत + इ = मारुति, सुमित्र + इ = सौमित्र,

ई - जानक + ई = जानकी, इंद्र + ई = ऐंद्र,

 पर्वत + ई = पार्वती, दुपद + ई = द्रौपदी